45 से 60 दिन पहले बंद हो सकती है पेराई

रॉयटर्स
मुंबई, 27 जनवरी

भारी बारिश से गन्ने की कम उपलब्धता होने के कारण भारत के शीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र की चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में 45 से 60 दिन पहले गन्ने की पेराई बंद कर सकती हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को रॉयटर्स को यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र के चीनी आयुक्त शेखर गायकवाड़ ने कहा, 'पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र, जो देश के चीनी उत्पादन का एक तिहाई से अधिक का उत्पादन करता है, 1 अक्टूबर से शुरू हुए 2022-23 विपणन वर्ष में 1.28 करोड़ टन चीनी का उत्पादन कर सकता है। यह पहले के 13.8 करोड़ टन के पूर्वानुमान से कम है।'कम चीनी उत्पादन दुनिया के दूसरे सबसे बड़े निर्यातक को अतिरिक्त निर्यात की संभावना से रोक सकता है, संभावित रूप से वैश्विक कीमतों का समर्थन कर सकता है और ब्राजील और थाईलैंड जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को अपने लदान में वृद्धि करने की अनुमति दे सकता है। भारत ने चालू सीजन में चीनी मिलों को केवल 61 लाख टन निर्यात करने की अनुमति दी है और इसमें से मिलों ने पहले ही 57 लाख टन निर्यात करने का अनुबंध किया है।

गायकवाड़ ने कहा, 'अत्यधिक बारिश ने गन्ने की वानस्पतिक वृद्धि को रोक दिया। इस वर्ष पेराई के लिए कम गन्ना उपलब्ध है।' उन्होंने कहा कि राज्य के मध्य भाग में कुछ मिलें 15 दिनों में परिचालन बंद करना शुरू कर सकती हैं और अप्रैल के अंत तक तीन या चार मिलों को छोड़कर सभी पेराई बंद कर सकती हैं। महाराष्ट्र में चीनी मिलें 2021-22 में जून के मध्य तक चालू थीं क्योंकि वे रिकॉर्ड फसल काटने के लिए संघर्ष कर रहे थे।